एक नजर में

शिल्पा शिरोडकर ने साझा की अमिताभ बच्चन से पहली मुलाकात

इंदौर. बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री शिल्पा शिरोडकर, जो इंडियाज़ बेस्ट डांसर सीज़न 5 के आने वाले एपिसोड में स्पेशल गेस्ट के रूप में नज़र आएंगी, ने एक बेहद निजी और यादगार किस्सा साझा किया. उयह पुरानी यादें शो के मंच पर तब ताज़ा हुईं जब एक दमदार परफॉर्मेंस फिल्म 'हम' (1991) के आइकॉनिक गाने कागज़ कलम पर पेश किया गया. शिल्पा शिरोडकर ने कहा कि और ये जो गाना था, इस गाने के दौरान मैंने पहली बार अमित जी को देखा. हम लोग पूरी रिहर्सल कर चुके थे और अचानक सब बोलने लगे, अमित जी आ गए, अमित जी आ गए! मैं यहाँ पे ठंडी पड़ गई थी. मैं अपना स्टेप भूल गई थी और हाथ पसीने पसीने हो गए. अमित जी अंदर आए और उन्होंने कहा- नमस्ते, मैं अमिताभ बच्चन हूं. और मैं, मैं बहुत डर गई थी, बहुत डर गई थी. लेकिन यह वह गाना था जहां मैं पहली बार अपने जीवन के प्यार से मिला.

स्कोडा ऑटो इंडिया ने एच1 2026 में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन किया

इंदौर. स्कोडा ऑटो इंडिया ने वर्ष 2025 में अपने अब तक के सबसे सफल वर्ष से प्राप्त गति को 2026 की पहली छमाही में भी बरकरार रखा है. ब्रांड ने कुल 38,894 वाहनों की बिक्री दर्ज की, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 7.5% की वृद्धि दर्शाती है. वर्ष 2025 की पहली छमाही में ब्रांड ने भारत में अपने 25 वर्षों के इतिहास की उस समय की सर्वाधिक अर्धवार्षिक बिक्री दर्ज की थी. एच1 2026 के साथ कंपनी ने अपने रिकॉर्ड स्थापित करने वाले वर्ष से भी आगे बढ़ते हुए एक नई उपलब्धि हासिल की है. स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रांड डायरेक्टर, आशीष गुप्ता ने कहा हमारी रिकॉर्ड अर्धवार्षिक बिक्री स्कोडा ब्रांड पर ग्राहकों के बढ़ते विश्वास और भरोसे को दर्शाती है. वर्ष 2026 में हमने अपने उत्पादों पर केंद्रित रणनीति, ग्राहक-प्रथम पहलों और उत्कृष्टता के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता के माध्यम से इस विश्वास को और मजबूत किया है. नई कुशाक, अपडेटेड कोडियाक तथा बिल्कुल नई कोडियाक आरएस को ग्राहकों से शानदार प्रतिक्रिया मिली है.

अशिताका के साथ मक्के की फसल को रखें सुरक्षित

इंदौर. मध्य प्रदेश के मक्का किसानों के लिए, फसल की शुरुआती अवस्था इस मौसम के सबसे महत्वपूर्ण चरणों में से एक होती है. जैसे ही फसल जमना शुरू होती है, घास और चौड़ी पत्ती वाले खरपतवार नमी, पोषक तत्वों और धूप के लिए तेजी से मुकाबला करने लगते हैं. इन खरपतवारों को नियंत्रित करने का सबसे असरदार व सही समय अभी है. इस महत्वपूर्ण चरण के दौरान किसानों को अपनी फसल की रक्षा करने में मदद करने के लिए, गोदरेज एग्रोवेट ने आईकेएस जापान के सहयोग से अशिताका पेश किया है, जो विशेष रूप से मक्के के लिए तैयार किया गया एक खरपतवार नाशक है. गोदरेज एग्रोवेट के क्रॉप केयर बिजनेस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एन. के. राजावेलु ने कहा, अशिताका के माध्यम से, हम किसानों को सही समय पर कदम उठाने और अपनी फसल को वह मजबूत शुरुआत देने के लिए प्रोत्साहित करना चाहते हैं, जिसकी एक अच्छी पैदावार वाले मौसम के लिए जरूरत होती है.

रैम्प योजना के अंतर्गत कॉम्पोजिट एमएसएमई जागरूकता कार्यशाला

इंदौर. सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार की रैम्प (रेज़िंग एंड एक्सेलरेटिंग एमएसएमई परफॉर्मेंस) योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश लघु उद्योग निगम लिमिटेड (एमपीएलयूएन) द्वारा जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र (डीटीआईसी), झाबुआ के सहयोग से अनमोल होटल एंड रेस्टोरेंट, थांदला में दो दिवसीय कॉम्पोजिट एमएसएमई जागरूकता कार्यशाला का शुभारंभ किया गया. कार्यक्रम में जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र की प्रबंधक जया परमार, सहायक प्रबंधक संजीव जैन, नगर परिषद झाबुआ की सामुदायिक संगठक दिव्या बेलवाल एवं उर्मिला प्रजापति ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि जिले में उद्यमिता का विकास स्थानीय रोजगार एवं आर्थिक समृद्धि की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है. उन्होंने युवाओं एवं स्वयं सहायता समूहों से शासन की योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाकर आत्मनिर्भर बनने का आह्वान किया.

जूनियर किलर स्टोर में इन-स्टोर एक्टिवेशन

इंदौर. किरण क्लोदिंग लिमिटेड (केकेसीएल) ने इंदौर स्थित अपने जूनियर किलर स्टोर में एक आकर्षक इन-स्टोर एक्टिवेशन का आयोजन किया. इस पहल के माध्यम से कंपनी ने खरीदारी को मनोरंजन के साथ जोड़ते हुए युवा परिवारों के लिए एक यादगार अनुभव तैयार किया. स्टोर को एक जीवंत और उत्साहपूर्ण स्थान में परिवर्तित किया गया, जहां बच्चों और अभिभावकों ने रचनात्मक एवं इंटरैक्टिव गतिविधियों का आनंद लिया. इस पहल पर टिप्पणी करते हुए केवल किरण क्लोदिंग लिमिटेड के संयुक्त प्रबंध निदेशक हेमंत जैन ने कहा आज के परिवार उत्कृष्ट उत्पादों के साथ-साथ सार्थक और यादगार अनुभव भी चाहते हैं. चिकारा, जूनियर किलर की जीवंत और खेलपूर्ण भावना को साकार करता है, जिससे हमें बच्चों के साथ जुड़ने और अभिभावकों के साथ अपने संबंधों को और मजबूत बनाने में मदद मिलती है. इस तरह के एक्टिवेशन इंटरैक्टिव और परिवार-केंद्रित रिटेल वातावरण विकसित करने की हमारी सोच को आगे बढ़ाते हैं, जो ग्राहक सहभागिता और फुटफॉल दोनों को बढ़ावा देते हैं.

रक्तांचल सीजन 3 के लिए तैयार किया मंच

इंदौर. अमेज़न एमएक्स प्लेयर ने अपनी लोकप्रिय राजनीतिक क्राइम थ्रिलर सीरीज़ रक्तांचल के बहुप्रतीक्षित तीसरे सीज़न की घोषणा की. इसके साथ ही इस सीरीज़ के अगले अध्याय की एक रोमांचक झलक पेश की गई, जो भारतीय स्ट्रीमिंग की सबसे चर्चित प्रतिद्वंद्विता को आगे बढ़ाएगी. निर्देशक रितम श्रीवास्तव की रक्तांचल सीज़न 3 में निकितिन धीर और क्रांति प्रकाश झा अपनी लोकप्रिय मुख्य भूमिकाओं में वापसी कर रहे हैं. इनके साथ राजेश कुमार, करण पटेल, विक्रम कोचर और माही गिल भी अहम किरदारों में नज़र आएंगे. अमेज़न एमएक्स प्लेयर के डायरेक्टर और कंटेंट हेड, अमोघ दुसाद ने कहा अमेज़न एमएक्स प्लेयर में हमारा लक्ष्य दर्शकों के लिए ऐसी अलग-अलग कहानियां लाना है, जो दिलचस्प हों और पूरी तरह भारतीय अंदाज़ में पेश की गई हों. रक्तांचल हमारी सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली क्राइम फ्रेंचाइज़ी में से एक रही है. सीज़न 3 के साथ हम न सिर्फ उस दुनिया को आगे बढ़ा रहे हैं, जिसे दर्शकों ने वर्षों से पसंद किया है, बल्कि वसीम खान और विजय सिंह के बीच के टकराव की शुरुआत को भी फिर से दिखा रहे हैं.

स्वास्थ्य विभाग ने एम3एम फाउंडेशन को किया सम्मानित

इंदौर. सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक लोगों की पहुँच बेहतर बनाने में निरंतर योगदान के लिए स्वास्थ्य विभाग, गुरुग्राम ने राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर उप-स्वास्थ्य केंद्र, कादरपुर में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम के दौरान एम3एम फाउंडेशन को प्रशंसा-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया. यह सम्मान स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम के दौरान गुरुग्राम के विधायक तेजपाल तंवर की मुख्य अतिथि के रूप में गरिमामयी उपस्थिति में प्रदान किया गया. कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ), गुरुग्राम लोकवीर सिंह, पार्षद नारायण भड़ाना, चिकित्सक, स्वास्थ्य विशेषज्ञ, अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्यकर्मी, स्थानीय समुदाय के सदस्य तथा एम3एम फाउंडेशन के प्रतिनिधि उपस्थित रहे. यह प्रशंसा-पत्र एम3एम फाउंडेशन की चेयरपर्सन एवं ट्रस्टी डॉ. पायल कनोड़िया की ओर से एम3एम फाउंडेशन के मैनेजिंग ट्रस्टी एवं प्रेसिडेंट डॉ. ऐश्वर्या महाजन ने प्राप्त किया.

कैनन ने ईओएस आर6वी लॉन्च किया

इंदौर. कैनन इंडिया ने अपनी लेटेस्ट प्रोफेशनल कैमरा किट लॉन्च की है. इस किट में ईओएस आर6वी फुल फ्रेम कैमरा और आरएफ 20-50 एफ4एल आईएस यूएसएम लेंस है. यह बिल्ट इन पॉवर जूम के साथ कैनन का पहला फुल-फ्रेम प्रोफेशनल-ग्रेड एल-सीरीज लेंस है. यह कैमरा सिस्टम फिल्म निर्माताओं, क्रिएटर्स और आधुनिक प्रोडक्शन प्रोफेशनल्स की जरूरतों को पूरा करेगा. इस शक्तिशाली कैमरा सिस्टम में सिनेमेटिक इमेजिंग, एडवांस्ड वीडियो परफॉर्मेंस, मोबिलिटी और लेंस इनोवेशन एक साथ दिए गए हैं. इस लॉन्च के बारे में टाईगर इशी, मैनेजिंग एग्जिक्यूटिव ऑफिसर, कैनन इंक, प्रेसिडेंट, कैनन मार्केटिंग एशिया, प्रेसिडेंट एवं सीईओ, कैनन सिंगापुर पीटीई लिमिटेड ने कहा, भारत में वेडिंग, सिनेमेटोग्राफी, रीजनल सिनेमा और डिजिटल-फर्स्ट कंटेंट से लेकर स्वतंत्र प्रोडक्शनतक लगातार विकास हो रहा है. हमने ईओएस आर6वी कैमरा और आरएफ 20-50 एफ4एल आईएस यूएसएम लेंस पेश करके इस विकसित होते हुए वीडियो ईकोसिस्टम को एक ऐसा फुल फ्रेम सॉल्यूशन दिया है, जो आधुनिक प्रोडक्शन एनवायरनमेंट के लिए बनाया गया है.

मां है ना सीजन 1 के विजेता बने गुल्लू उर्फ कुशल तंवर

इंदौर. कई हफ्तों तक दिल छू लेने वाले पल, मजेदार कुकिंग चुनौतियां और मां-बच्चे के खास रिश्ते का जश्न मनाने के बाद, ज़ी5 के मां है ना को अपना पहला विजेता मिल गया है. गुल्लू उर्फ कुशल तंवर ने ग्रैंड फिनाले में शानदार जीत हासिल करते हुए मां है ना सीजन 1 की ट्रॉफी अपने नाम की. इसके साथ ही उन्हें अपनी मां के साथ काहिरा घूमने का खास ट्रिप भी मिली. ग्रैंड फिनाले में सभी फाइनलिस्ट को पनीर टिक्का, पराठा और जलेबी से बने थ्री-कोर्स का पूरा खाना तैयार करना था. इस चुनौती में उनके खाना बनाने के हुनर के साथ टीमवर्क की भी परीक्षा हुई। जब शो की होस्ट शिल्पा शेट्टी ने गुल्लू के बनाए हुए व्यंजन चखे, तो उन्होंने उनकी खूब तारीफ की. ट्रॉफी जीतने के बाद अपनी खुशी जाहिर करते हुए गुल्लू ने कहा माँ है ना के पहले सीज़न का विजेता बनना मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा है, लेकिन इस जीत को जो चीज़ सच में खास बनाती है, वह यह है कि मुझे हर पल अपनी माँ के साथ बिताने का मौका मिला. हर टास्क ने मुझे कुछ नया सिखाया और हर जीत तब तक अधूरी लगी, जब तक मैंने उसे अपनी मां के साथ साझा नहीं किया.

शास्त्री ब्रिज रुकेगा, स्टेशन और टनल को मिलेगी रफ्तार, सिंहस्थ के लिए रेलवे का बड़ा प्लान

- महाप्रबंधक बोले—पहले श्रद्धालुओं की सुविधा, बाद में होगा ब्रिज निर्माण

नवभारत न्यूज

इंदौर. पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक रामाश्रय पांडेय ने दो दिवसीय रतलाम मंडल प्रवास के दौरान डॉ. अंबेडकर नगर-ओंकारेश्वर गेज परिवर्तन परियोजना, इंदौरक्ष्दाहोद नई रेल लाइन, निर्माणाधीन सुरंग और नर्मदा नदी पर बन रहे रेल पुल का निरीक्षण किया. उन्होंने सभी परियोजनाओं को गुणवत्ता, सुरक्षा और तय समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए. इस दौरान केंद्रीय राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर, सांसद शंकर लालवानी और विधायक नीना विक्रम वर्मा भी मौजूद रहीं.

महाप्रबंधक ने कहा कि शास्त्री ब्रिज का निर्माण सिंहस्थ के बाद शुरू होगा, क्योंकि करीब ढाई वर्ष की इस परियोजना को मेले से पहले पूरा करना संभव नहीं है. सिंहस्थ के दौरान यातायात प्रभावित न हो, इसलिए फिलहाल स्टेशन पुनर्विकास और यात्री सुविधाओं को प्राथमिकता दी जाएगी. इंदौर स्टेशन पर जितने जरूरी कार्य संभव हैं, वे मेले से पहले पूरे किए जाएंगे. साथ ही पार्सल ऑफिस भवन को अस्थायी रूप से यात्रियों की सुविधा के लिए विकसित किया जाएग.

सितंबर तक टनल पूरी करने का लक्ष्य-इंदौर-दाहोद नई रेल लाइन की लगभग तीन किलोमीटर लंबी सुरंग का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों ने बताया कि 15 जुलाई तक सुरंग का सिविल कार्य पूरा होने की उम्मीद है. लगभग 3000 मीटर ट्रैक में से 1260 मीटर बिछाया जा चुका है और ठेकेदार ने सितंबर तक पूरा कार्य समाप्त करने का लिखित आश्वासन दिया है. रेलवे इस परियोजना का उद्घाटन सितंबर में कराने की तैयारी में है.

ओंकारेश्वर रेलखंड और नर्मदा रेल पुल का निरीक्षण-महाप्रबंधक ने डॉ. अंबेडकर नगर-ओंकारेश्वर गेज परिवर्तन कार्य के तहत ओंकारेश्वर रोड स्टेशन के नए भवन, प्लेटफॉर्म, विद्युतीकरण और सिग्नलिंग कार्य का निरीक्षण किया. इसके बाद नर्मदा नदी पर बन रहे रेल पुल की प्रगति की भी समीक्षा की.

इंदौर स्टेशन उपेक्षित नहीं, जल्द चलेगी डेमू

मीडिया से चर्चा में महाप्रबंधक ने कहा कि इंदौर स्टेशन रतलाम मंडल का प्रमुख स्टेशन है और इसके विकास में कोई कमी नहीं रखी जाएगी. उन्होंने बताया कि इंदौर में जल्द ही डेमू ट्रेन शुरू करने की दिशा में भी काम चल रहा है. सिंहस्थ को देखते हुए उज्जैन सहित आसपास के सभी प्रमुख स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं के कार्य भी तेजी से पूरे किए जाएंगे.

सांसद ने रखीं ये मांगें

सांसद शंकर लालवानी ने बताया कि सिंहस्थ से पहले इंदौर स्टेशन के अधिकतम कार्य पूरे किए जाएंगे. लक्ष्मीबाई नगर स्टेशन का निर्माण शीघ्र पूरा होगा, प्लेटफॉर्म 5 और 6 पर 20 यात्रियों की क्षमता वाली नई लिफ्ट लगाई जाएगी. मालगोदाम को दूसरी जगह स्थानांतरित करने के लिए सर्वे कराया जाएगा तथा पत्थर गोदाम क्षेत्र में पिट लाइन और प्लेटफॉर्म निर्माण के प्रस्ताव पर भी सकारात्मक चर्चा हुई.

समय सीमा में काम पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध

दौरे के समापन पर महाप्रबंधक ने कहा कि पश्चिम रेलवे यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने और सभी विकास परियोजनाओं को तय समय-सीमा में पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है. इस दौरे से स्पष्ट संकेत मिला कि सिंहस्थ-2028 को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने अपनी विकास प्राथमिकताओं को नया स्वरूप दिया है. यात्री सुविधाओं और स्टेशन विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है, जबकि लंबी अवधि वाली परियोजनाएं सिंहस्थ के बाद शुरू की जाएंगी.

मानसून लग गया और अब जागा प्रशासन, की बैठक

- जल जमाव, यातायात जाम, बिजली बंद होने जैसी समस्या बरकरार

नव भारत न्यूज

इंदौर. मालवा में कहावत प्रचलित है 'प्यास लगे, जब कुआं खोदो'. उक्त कहावत स्थानीय प्रशासन पूरी तरह चरितार्थ कर रहा है. मानसून लग चुका है, झमाझम बारिश हो गई. इतना ही नहीं करीब 10 इंच पानी गिर चुका है. अब प्रशासन नींद से जागा है कि शहर में जल जमाव और यातायात को लेकर कुछ कदम उठाए जाएं.

आज कलेक्टर कार्यालय में शहर के सभी विभागों के अधिकारियों की बैठक हुई. बैठक में कल मानसून की जोर शोर से बारिश हुई. बारिश सिर्फ ढाई इंच से कुछ ज्यादा हुई, लेकिन शहर में यातायात जाम, सड़कों पर पानी भराने, बिजली बंद, निर्माणाधीन फ्लाई ओवर ब्रिज, ड्रेनेज और स्ट्रॉम वॉटर लाइन सफाई, तालाबों की चैनल साफ एवं अतिक्रमण, पैचवर्क, डामरीकरण, सड़क मरम्मत और निर्माण कार्य में सुरक्षा जैसे तमाम काम अचानक प्रशासन और अधिकारियों याद आ गए. उक्त सभी कामों की गहन जानकारी और चिंता जताते हुए नगर निगम, आईडीए, एमपीआरडीसी, पीडब्ल्यूडी मेट्रो रेल,यातायात पुलिस, एमपीईबी सहित कई विभागों के अधिकारियों ने शहर में सड़कें पानी में डूबने, यातायात जाम होने, फ्लाई ओवर ब्रिज ब्लैक स्पॉट, ड्रेनेज और स्ट्रॉम वॉटर लाइन चौक की चर्चा की. उसको आगे जल जमाव, यातायात जाम ओर सड़कें डूबने को लेकर विशेष ध्यान और व्यवस्था करने की योजना बनाई गई. उक्त स्थिति में बड़े अधिकारी अब जाग रहे है, जब मानसून पूरी तरह से सक्रिय हो गया. सवाल यह है कि जो काम सभी विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों को दो महीने पहले कर लेना था. वह कम को लेकर विशेष व्यवस्था और अभियान चलाने की बात ओर मातहत को निर्देश दे रहे है. बैठक में कलेक्टर शिवम वर्मा, निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल, आईडीए सीईओ डॉ. परीक्षित झाड़े, डीसीपी ट्रैफिक राजेश त्रिपाठी, अपर कलेक्टर रोशन राय सहित नगर निगम, यातायात पुलिस, एमपीआरडीसी, पीडब्ल्यूडी, एमपीईबी सहित अन्य विभागों के महानुभाव अधिकारी उपस्थित थे.

सिर्फ बैठक कर बच रहे जिम्मेदारियों से

सच्चाई यह है कि वरिष्ठ अधिकारी सिर्फ बैठक करके अपनी जिम्मेदारियों से बच रहे है और शहर में यातायात जाम, सड़कों पर पानी भराने, बिजली बंद होने जैसी समस्याएं ज्यों की त्यों बनी हुई है. बस सभी यह करते हैं कि मातहत ओर छोटे कर्मचारियों को मैदान में झोंक देते है, लेकिन मानसून पूर्व की तैयारियों पर कार्रवाई नहीं करते है. इतना ही नहीं सारी जिम्मेदारी एनडीआरएफ, होमगार्ड, अग्नि शमन और निगम के छोटे सफाईकर्मी पर डालकर छोड़ देते हैं. समस्या के निदान को लेकर सड़क पर बड़े अधिकारी हमेशा नदारद रहते हैं.

बीएड प्रवेश में फिर सुस्ती, दूर के कॉलेज मिलने से छात्र कर रहे इंतजार

- दो चरण पूरे, फिर भी अधिकांश सीटें खाली
- पसंदीदा संस्थान नहीं मिलने से रिपोर्टिंग कम

नवभारत न्यूज

इंदौर. उच्च शिक्षा विभाग की ऑनलाइन काउंसिलिंग में पसंदीदा और स्थानीय कॉलेज नहीं मिलने का असर बीएड सहित शिक्षक शिक्षा पाठ्यक्रमों की प्रवेश प्रक्रिया पर साफ दिखाई दे रहा है. दूसरे चरण में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को दूसरे जिलों के कॉलेज आवंटित होने से अधिकांश छात्रों ने रिपोर्टिंग नहीं की. स्थिति यह है कि दूसरे चरण में आवंटित सीटों में से करीब 20 प्रतिशत पर ही प्रवेश हो पाया है.

प्रदेश में बीएड, एमएड, बीपीएड, एमपीएड, चार वर्षीय बीएड-एमएड और तीन वर्षीय बीएड पाठ्यक्रमों में सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया जारी है. इन पाठ्यक्रमों में लगभग 68 हजार सीटें उपलब्ध हैं. पहले चरण में 32,918 विद्यार्थियों को कॉलेज आवंटित हुए थे, लेकिन इनमें से करीब 12 हजार ने ही प्रवेश लिया. इसके बाद दूसरे चरण में 37 हजार विद्यार्थियों ने पंजीयन कराया और 29 जून को करीब 34 हजार सीटों का आवंटन किया गया. आवंटित विद्यार्थियों को 4 जुलाई तक संबंधित कॉलेज में रिपोर्टिंग कर फीस जमा करनी है, लेकिन अब तक केवल 8 से 10 हजार विद्यार्थियों ने ही प्रवेश प्रक्रिया पूरी की है. बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने रिपोर्टिंग ही नहीं की.

तीसरे चरण से उम्मीद

अशासकीय शिक्षा महाविद्यालय संचालक संघ के पदाधिकारी डॉ. सुनील पड्या और कमल हिरानी का कहना है कि सीट आवंटन में विद्यार्थियों की प्राथमिकताओं का बेहतर ध्यान रखा जाए तो प्रवेश प्रतिशत में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हो सकती है. संघ के सदस्य रामबाबू शर्मा के अनुसार दो चरण पूरे होने के बाद भी अधिकांश कॉलेजों में केवल 30 से 32 प्रतिशत सीटें ही भर सकी हैं. अब रिक्त सीटों को भरने के लिए 7 जुलाई से तीसरे चरण की काउंसिलिंग शुरू होगी, जिससे प्रवेश संख्या बढ़ने की उम्मीद है.

2,246 करोड़ के निवेश को दी एसईजेड अप्रूवल कमेटी ने मंजूरी

नव भारत न्यूज

इंदौर. स्पेशल इकोनॉमिक जोन इंदौर की अप्रूवल कमेटी द्वारा 2246 करोड़ के निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है. इससे जिले 2 हजार लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है. कंपनी में उत्पादन शुरू होने के बाद करीब 20 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का निर्यात प्रस्तावित है.

आज पीथमपुर इंडस्ट्रियल एरिया के स्पेशल इकोनॉमिक जोन एसईजेड इंदौर जोन की अप्रूवल कमेटी बैठक हुई. बैठक में कमेटी के अध्यक्ष अभिषेक शर्मा अध्यक्ष अप्रूवल कमेटी और एमपीआईडीसी कार्यकारी संचालक हिमांशु प्रजापति, आयकर विभाग एवं सीमा शुल्क विभाग प्रतिनिधियों एवं संबंधित कंपनियों के प्रतिनिधि मौजूद थे. बैठक में 2,245.50 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्तावों को स्वीकृति दी गई. उक्त निवेश योजनाओं से लगभग 1,910 लोगों को रोजगार मिलेंगे. साथ ही उत्पादन शुरू होने के पांच सालों में लगभग 20,433 करोड़ रुपए के प्रोडक्ट निर्यात होना प्रस्तावित है. विशेष रूप से फार्मास्यूटिकल एवं फूड प्रोसेसिंग क्षेत्रों में निवेश एसईजेड को देश के अग्रणी निर्यात-उन्मुख औद्योगिक केंद्र के रूप स्थापित करेंगे.

एसईजेड में पूर्व से ही फार्मास्यूटिकल, फूड प्रोसेसिंग, टेक्निकल टेक्सटाईल, इंजीनियरिंग एवं मेटल एवं अलॉय उत्पादों का निर्यात किया जा रहा है. एमपीआईडीसी कार्यकारी संचालक हिमांशु प्रजापति ने बताया कि इंदौर एसईजेड में स्वीकृत ये नई योजनाएं न केवल प्रदेश की निर्यात क्षमता को बढ़ावा देगी, बल्कि उच्च गुणवत्ता वाले रोजगार, उन्नत निर्माण तथा वैश्विक प्रतिस्पर्धा को भी मजबूत करेंगी.

विचार प्रवाह साहित्य मंच की ऑन लाइन गोष्ठी

इंदौर. विचार प्रवाह साहित्य मंच ने पहली जुलाई और बचपन की पाठशाला को लेकर ऑनलाइन गोष्ठी आयोजित की. वरिष्ठ लेखक राजू गजभिये की अध्यक्षता में हुई इस गोष्ठी में रचनाकारों ने स्कूल जीवन में पहली जुलाई के महत्व को लेकर यादगार किस्से सुनाए. शैक्षणिक सफर की शुरुआत से लेकर बड़ी कक्षा तक पहुंच जाने में माता-पिता और शिक्षकों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया. वरिष्ठ लेखिका अमिता मराठे, अर्चना पंडित, कुमुद दुबे, धीरेंद्र कुमार जोशी, सुषमा दुबे, मित्रा शर्मा, माधुरी व्यास नवपमा, डॉ. आरती दुबे, डॉ. पूनम विशाल आदि ने गोष्ठी में नई कक्षा, नई ड्रेस, किताब, सहपाठियों और शिक्षकों से जुड़ी यादों को ताजा किया. स्वागत भाषण मंच के अध्यक्ष मुकेश तिवारी ने दिया. संचालन आयोजन संयोजक राधिका रितेश मंडलोई ने किया। आभार निशा बुधे झा (जयपुर) ने माना.

सार्थक कंस्ट्रक्शन के खिलाफ टीएनसीपी में शिकायत

- तथ्य छुपाकर अनुमति लेने पर निरस्त करने की मांग

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर के छोटा बांगड़दा में निर्माणाधीन सार्थक कंस्ट्रक्शन द्वारा निर्माणाधीन बहु मंजिला इमारत की अनुमति को लेकर टीएनसीपी में शिकायत का गई है. शिकायत में तथ्य छुपाकर अनुमति लेने और नियमों एवं का उल्लंघन करने के खिलाफ अनुमति निरस्त करने की मांग भी की गई है. मामला छोटा बांगड़दा के खसरा न. 363/4 और 363/5 की कुल जमीन 0.599 हेक्टेयर पर निर्मित बहुमंजिला इमारत का है.

उक्त मामले को लेकर एडवोकेट विनोद कुमार वर्मा ने टीएनसीपी संयुक्त संचालक कार्यालय में शिकायत की है. शिकायत में उक्त खसरे पर निर्माणाधीन बहु मंजिला इमारत में पर्यावरण, रेरा, व्यवसायिक डायवर्शन , सीमांकन में रिपोर्ट गलत दर्शाने, आवासीय को कृषि भूमि और भू राजस्व संहिता की धारा 59 का उल्लंघन, कृषि भूमि बताकर जमीन का उपयोग उक्त सर्वे नम्बरों का राजस्व रिकॉर्ड में आवासीय होना बताया है. सन् 2004 में ही उक्त भूमि आवासीय आरक्षित हो चुकी थी. जमीन खरीदी 2022 में की गई थी. जमीन को आवासीय की जगह कृषि भूमि बताकर स्टाम्प ड्यूटी की चोरी भी की गई है, जैसे बिंदुओं को लेकर शिकायत की गई है. पूर्व में नव भारत द्वारा सार्थक कंस्ट्रक्शन तरफे अभिषेक अग्रवाल द्वारा नगर निगम से 18 जून 2023 को बहुमंजिला इमारत का साठगांठ से नक्शा पास करने का मामला उजागर किया था. उक्त नक्शे में नगर निगम कॉलोनी सेल से एनओसी नहीं ली गई और ना ही की नगर निगम कॉलोनी सेल की विकास शुल्क और आश्रय निधि राशि जमा की गई थी. इसको लेकर भवन अनुज्ञा शाखा ने पिछले दिनों छोटा बागड़दा स्थित खसरे नंबर 363/4 एवं 363/5 के कुल रकबा 0.599 हेक्टेयर पर निर्मित बहुमंजिला इमारत ने कॉलोनी सेल से एनओसी ही नहीं लेने और तर्कों से असहमति जताकर अपील खारिज की थी. साथ ही नगर निगम कॉलोनी सेल में आश्रय निधि और विकास शुल्क राशि जमा किए बगैर नक्शा संशोधन करने से मना कर दिया है.

अनुमति निरस्त करने की मांग

उक्त मामले को लेकर एडवोकेट विनोद कुमार वर्मा ने टीएनसीपी संयुक्त संचालक कार्यालय को छोटा बांगड़दा में निर्माणाधीन सार्थक कंस्ट्रक्शन तरफे अभिषेक अग्रवाल की बहुमंजिला इमारत की अनुमति निरस्त करने की मांग की है.

धोबी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष का नागरिक सम्मान

इंदौर. अखिल भारतीय धोबी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष, पूर्व मंत्री एनडीए विधायक श्याम रजक पटना से इंदौर आए. उनका नागरिक सम्मान सर्व रजक समाज इंदौर द्वारा किया गया. मुख्य अतिथि महेश ढालिया पूर्व अध्यक्ष रजक स्वच्छता बोर्ड मध्यप्रदेश, पूर्व इंदौर जिला भाजपा अध्यक्ष, रजक समाज इंदौर के चिंटू वर्मा, इंदौर नगर धोबी संघ अध्यक्ष शकुंतला बड़े, बुंदेला रजक समाज इंदौर समिति अध्यक्ष शिवलाल लश्करी, समाज सेवी ओपी लशकरी, मालवीय रजक समाज इंदौर अध्यक्ष मनीष खाटवा, पूरबिया रजक समाज इंदौर के अध्यक्ष राकेश परमार थे. वक्ताओं ने समाजिक एकता व समाज के बच्चों की शिक्षा पर जोर देने पर अपने विचार समाज के समाने रखे. संचालन शिव कोदिया, प्रकाश सिगोडिया, मोनीक मालवीय, देवीलाल लशकरी ने किया. आभार नवीन वर्मा ने माना.

एक नजर में देश का सबसे स्वच्छ शहर इंदौर पहली ही बारिश के बाद सड़कों की बदहाल स्थिति को लेकर फिर चर्चा में

पहली बारिश में खुली शहर की सड़कों की पोल, गड्ढों और कीचड़ से बढ़ी परेशानी

नवभारत न्यूज

इंदौर. देश का सबसे स्वच्छ शहर इंदौर पहली ही बारिश के बाद सड़कों की बदहाल स्थिति को लेकर फिर चर्चा में है. बारिश से जहां लोगों को गर्मी से राहत मिली, वहीं शहर की कई सड़कों पर जलभराव, गड्ढों और कीचड़ ने राहगीरों व दोपहिया वाहन चालकों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं.

बारिश के बाद कई क्षेत्रों में सड़कें पानी से भर गईं। पानी उतरने पर उखड़ी सड़कें और कीचड़ सामने आ गया, जबकि कई गड्ढे पानी में छिप जाने से हादसों का खतरा बढ़ गया. दोपहिया वाहन चालकों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना क्योंकि पानी भरे गड्ढों का अनुमान लगाना मुश्किल हो जाता है. नागरिकों का कहना है कि स्वच्छता में लगातार अव्वल रहने वाले इंदौर में बारिश के दौरान सड़कों की स्थिति हर साल चिंता का विषय बन जाती है. जल निकासी की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने से कई स्थानों पर पानी देर तक जमा रहता है, जिससे सड़कें तेजी से खराब होती हैं और आवागमन प्रभावित होता है. नगर निगम और संबंधित विभाग से बारिश के मौसम में गड्ढों की मरम्मत, जल निकासी और सड़क रखरखाव पर विशेष ध्यान देने की मांग की है, ताकि दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके.

सड़कों की मरम्मत की मांग

लक्ष्मीबाई नगर मंडी जाने वाली मुख्य सड़क के दोनों ओर कीचड़ और सड़क पर जलभराव की समस्या बनी हुई है. यह मार्ग मंडी आने वाले किसानों के साथ-साथ आसपास की कई कॉलोनियों को जोड़ने वाला प्रमुख संपर्क मार्ग है. खराब सड़क, कीचड़ और पानी भरने के कारण विशेष रूप से दुपहिया वाहन चालकों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, 71 नंबर स्कीम क्षेत्र की कई सड़कों पर गड्ढों के कारण भी लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं. स्थानीय नागरिकों ने सड़क किनारे जमा कीचड़, जलभराव और गड्ढों की समस्या का शीघ्र समाधान कर सड़कों की मरम्मत कराने की मांग की है, ताकि आवागमन सुरक्षित और सुगम हो सके.